हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 14.06.2017 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 14.06.2017 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 25 अनुसचिवीय कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने भाग लिया ।

संस्थान के हिंदी अधिकारी, श्री प्रदीप भारद्वाज ने विषय विशेषज्ञ, श्री राजेश

डोगरा, प्रबंधक (राजभाषा), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, शिमला तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वागत किया तथा संस्थान द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यों का संक्षेप में उल्लेख किया । उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी संस्थान और हितधारकों के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी है । सरल भाषा के प्रयोग से हम किसानों, बागवानो तक संस्थान के शोध परिणामों को प्रभावी ढंग से पहुंचा सकते हैं ।

श्री राजेश डोगरा ने पॉवर-पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से राजभाषा अधिनियम तथा

इससे संबधित नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर, फॉंट्स के प्रयोग तथा यूनिकोड के बारे में प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि राजभाषा अधिनियम 1963 धारा 3(3) के अंतर्गत संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक एवं अन्य प्रतिवेदन, प्रेस विज्ञप्तियां, करार, अनुज्ञप्तियां, निविदा प्रारूप आदि हिन्दी एवं अंग्रेजी अर्थात् द्विभाषी ही जारी करें और हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर अनिवार्य रूप से हिन्दी में ही दें । श्री डोगरा ने गूगल वोईस टाइपिंग के बारे में विशेष प्रस्तुति दी तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रेरित किया कि इसके प्रयोग से हिंदी में टंकण का कार्य करना और भी आसन हो जाएगा ।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक, डॉ. वी. पी. तिवारी ने अपने संबोधन में

कहा कि हिन्दी किसी प्रांत विशेष की नहीं अपितु संपूर्ण देश की भाषा है । राजभाषा हिंदी में लोगों की सवेंदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है । हिंदी तेजी से 'सूचना एवं प्रोद्योगिकी तथा विज्ञान' की भाषा और माध्यम के रूप में उभर रही है । उन्होंने कहा कि हिंदी में कार्य करना आसान है तथा हिन्दी भाषा का शब्दकोष व्यापक एवं समृद्ध है । सरकारी विभाग होने के नाते हम सभी का कर्तव्य है कि हम राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें । इस कार्य में उच्च अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं तथा कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित कर सकते है । अंत में उन्होंने इस कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए सभी कर्मचारियों तथा अधिकारियों से आग्रह किया कि जो कुछ भी इस कार्यशाला में सीखा है उसे प्रतिदिन के कार्यों में प्रयोग करें ताकि हम राजभाषा के कार्यन्वयन में अपना अहम योगदान दे सकें ।

नोटिंग का प्रारूप
कृपया प्रधान कार्यालय के पत्र संख्या_____दिनांक____का संदर्भ ग्रहण करें जिसके माध्यम से प्रधान कार्यालय ने _____से संबंधित सूचना मांगी है।
दिनांक_____तक_____ एनजीओ को_____धनराशि अदा की गई है।
यदि अनुमोदन हो तो उक्त जानकारी प्रधान कार्यालय को प्रेषित की जा सकती है।
नोट अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।
अधिकारी/कर्मचारी का नाम
पदनाम
(अनुभाग अधिकारी का नाम व पदनाम)

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
हिन्दी कार्यशाला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
हिन्दी कार्यशाला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
हिन्दी कार्यशाला